



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

शास्त्रियकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 14]

नई विल्ली, बृहस्पतिवार, जून 25, 1987/आषाढ़ 4, 1909

No. 14]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 25, 1987/ASADHA 4, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दो जाती हैं किससे कि यह असाधारण संकलन में रूप में
रखा जा सके

**Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation**

कार्यालय महायक आयकर आयकर (नियोगियम)
प्रबंधन देखा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269वाँ(1) के
अधीन सूचनाएँ

नई विल्ली, 17 जून, 1987

निरेंद्र म. आर्हे. ए. सी./एस्यु./1237जी/9-86/667.—अब
मुझे एस. मा. गुप्ता आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है का धारा 269 वा
के अधीन संशोधन अधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थायर
मम्पति जिसका उत्तिवाशार मूल्य 100000 रु. से अधिक है और जिसकी
संदर्भ है तथा जो व्यापारी नं उड़ान् 11, नशवा 500 वर्ग ग्रामेटर कैलाश-।
नई विल्ली ५ स्थित है (ओर इसमें उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है, रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली-१ में भारताय
रजिस्ट्रेक्टरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1986 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित आजार मूल्य से कम से कम
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वकित सम्पति का उचित-आजार मूल्य उसके
दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के वाच ऐसे
अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त
अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से कुछ किसी आय को वापरत आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अस्तरक

के दायित्व में कर्मा करने या उसमें घटने में सुविधा के
निए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्होंने
भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
प्रतिविनियोग द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में, मैं
उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के अधीन निम्न-
लिखित व्याप्तियों, प्रयोगः—

१. श्री बलराज कुमार सूद सुपुत्र
श्री रघु साहिव मेजर गणपति रघु,

(प्रस्तरक)

२. श्रीमती शिवांगी कपूर, गर्भी श्री शक्ति कपूर,
६३/५, एन. ह. ए. आर्ट राजिस्टर नगर, नई दिल्ली (अन्तरिति)

को यह सूचना आरों करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रतिन के लिए कार्यवाहा
शुरू करना हूँ। उक्त सम्पति के प्रतिन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन

की स्वत्रि बाद में यमात लोन हो, के भातर पूर्वोत्तर अधिनियम में लिखा अविक्षण दाग :

(ब) इस गूँड़ा के धाराव में प्रकाशन का ताराव ते 45 दिन के भातर उत्तम स्थापत्य सम्पत्ति में दिव्यद लिंग अन्य चाहिए द्वारा अधिकारीकरण के लिए जा सकेंगे।

सार्विकरण—इसने प्रयुक्त गवर्नर प्रारंभिक ना आवश्यक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधेय 20-क में यमा अधिसाधित है, यहां अर्थ लोग, जो उस अधाव ने दिया गया है।

प्रत्यक्षी

2/5 विवाह शेवर प्रार्टी इन्ड्यू-14, बैंडर कैलाश-1, नई दिल्ली ताबादी 500 वर्ग गज।

तारीख 17-6-87

मोहर

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I

Notices under Section 269 D (1) of the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 17th June, 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)|Range-1|SR-III|9-86/667.—Whereas I, S. C. GUPTA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing Property No. W-14, Measuring 500 sq. yds. situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi* in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have

not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) Shri Balraj Kumar Sud S/o Shri Rai Sahib Major Ganpat Rai (Transferor)
- (2) Mrs. Shivangi Kapur w/o Shri Shakti Kapur r/o 63/5, N.E.A. Old Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

2/5th undivided share of property No. W-14, measuring 500 Sq. Yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

Dated : 17-6-87

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. आई. ए. सी. /एस्यू/1/37-जी/9-86/668.—ग्रहण सुना, एस. सी. गुप्ता आवश्यक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पाल्चात् “उत्तम अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन गमन अधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 100000 द० से अधिक है और जिसकी संख्या जो 2/5, विवाह शेवर प्रार्टी नं. इन्ड्यू-14, ताबादी है तथा 500 वर्ग गज बैंडर कैलाश-1, नई विल्ला में स्थित है (जोर इससे उत्तरद ग्रन्त-गूँड़ा में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेफर्स अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ला में भारतीय रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधान लारीख सितम्बर, 1986 को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम वृद्धमान प्रतिफल के लिए प्रतिक्रिया की गई है और मुने यह विश्वास करते का कारण है कि गमन अधिनियम सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तर्भी (अन्तर्भीयों)

के बावजूद ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिपत्ति, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हट किए गए को वाबत प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) के अधार कर देने के अन्तरण के अधिकृत में कर्म, जोने या उसमें वक्ते में सुविधा के लिए और या

(ख) ऐसा किसी गाँथ पा लिया जने या अन्य आविष्यों को, जिन्हे भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) आधार पर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या जन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित गाँथ प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम, को भारा 264-ग के अनुगाम में में उक्त अधिनियम को भारा 265-ग के उन्नाग (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोग्त :—

1. श्री बलराज कुमार सुद चूड़व
राय नाट्टिंग मेजर गणान गय (प्रत्यक्ष)

2. श्री शक्ति कपूर सुपुत्र श्री मिकंदर लाल लाल
63/5, एन ई ए ओल्ड राजिनर नगर, नई दिल्ली
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त गम्भीर के प्रबंधन के लिए आवंश्यक हो गुरु करता है।

उक्त मम्पति के प्रबंधन के सम्बन्ध में काई और आवेदन

(क) इस सूचना के गम्भीर में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अवधि या सम्पादन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामांकन में 30 दिन का अवधि या बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकृत द्वारा अधिकृताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आवकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभ्रान्ति है, यहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2/5 अविभाज्य घोर प्राप्ती नं. इच्छा 14, तादादी 500 वर्ग गज
प्रेटर कीनाश-1, नई दिल्ली।

तारीख 17-6-87

मोहर

*(जो सागू नहो उसे काट दीजिए)

Ref. No. I.A.C. (Acq)|Range-I|SR-III|9-86|668.—
Whereas I, S. C. GUPTA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing Property No. W-14 Measuring 500 sq. yds. situated at Greater Kailash-1, New Delhi (and more fully described in the Sche-

dule-annexed hereto) has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at N. Delhi* in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) Shri Balraj Kumar Sud s/o Shri Rai Sahib Major Ganpat Rai (Transferor)

(2) Shri Shakti Kapur S/o Shri Sikander Lal Kapur r/o 63/5, N.E.A. Old Rajinder Nagar, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

2|5th undivided share of property No. W-14,
measuring 500 Sq. yds. Greater Kailash-I,
New Delhi.

Date 17-6-1987

Seal

*Strike off where not applicable

निर्देश सं. आई. ए. सा. /रक्ष्य 1/37 इ/१९-८६/२१३ /६६९—
अतः मुझे एम. सी. गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 वा के अधान सभाम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 100000 रु. से अधिक है और जिसको मूल्य है तथा जो डल्लर - 14 ग्रेटर कैलाश 1 नई दिल्ली में स्थित है (और इसे उपवाद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), गजिस्ट्रेक्टरी प्रविधिकारी के कार्यालय, में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961¹ अधीन द्वारा खारेज भित्तियाँ, 86 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिकल के लिए अनुरित की गई है और यह यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भाली का उचित आजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तग पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी आद को बाबन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दृश्यमान में कमा करने या उससे बचने से सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आद या किसी धन या अन्य आमिलियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजातीय अन्तरिक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, धा, छिपाने से सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 209-ए के अनुसार में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपशाखा (1) के अधान निम्नलिखित व्यक्तियों प्रवर्ति:—

1. श्री बलराज कुमार मुमुक्षु राय मालिक मेजर गणपत राय (अन्तरक)
2. मास्टर सिद्धार्थ कपूर मुमुक्षु शर्मिन कपूर 63/5, एन. ए. ए. ओल्ड गजिन्कर नगर, नई दिल्ली द्वारा पिता और अभिभावक श्री गवित कपूर (अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के मर्जन में कोई भी अस्तित्व नहीं

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धीय अविकल्पों पर सूचना को तामील से 30 दिन को अवधि वाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त अविकल्पों में किसी अविकल्प द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त आयकर सम्पत्ति में हितष्ट किसी अन्य अविकल्प द्वारा, अधिकारी के पास सिविल में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथा परिभासित है, यहाँ आर्यो होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

1/5 अविकल्प शेयर प्राप्ती नं. डल्लर 14 ताकाद 500 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली

तारीख 17-6-1987

मोहर

*(जो साथू न हो उस काट दोजिए)

एम. सा. गुप्ता, सभाम अधिकारी,
महाप्रकार आयकर आयकर (निरीक्षण) अर्जन रेज-1

Ref. No. I.A.C. (Acq) |Range-I|SR-III|9-86|669—
Whereas I, S. C. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing Property No. W-14, Measuring 500 sq. yds. situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *registered under Registration Act 1908 (16 of 1908, in the Office of the registering Officer at N. Delhi* in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Shri Balraj Kumar Sud S/o Rai Sahib Major Ganpat Rai. (Transferor)

- (2) Master Siddarth Kapur S/o Shri Shakti Kapur t/o 63/5, NEA Old Rajinder Nager, New Delhi through his father and natural guardian Shri Shakti Kapur (Transference).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

1/5th undivided share of property No. W-14, measuring 500 Sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

S. C. GUPTA, Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax) Acquisition Range-I

Dated : 17-6-1987

Seal

*Strike off where not applicable.

